https://universitynews.in/

No. of Printed Pages : 5 Roll No……………

# ED-2325

## M.A. (Previous)
## EXAMINATION, 2021
### HINDI
### Paper Fifth
### (जनपदीय भाषा और साहित्य)
### (छत्तीसगढ़ी)

**Time : Three hours** **Maximum Marks : 100**

**नोट–** *सभी प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रश्नों के सामने निर्धारित अंक दिये गये हैं।*

1. निम्नलिखित अवतरण की व्याख्या कीजिए– **10×3=30**

(क) सुनत बात मुसकाइन मोहन।
हम फोकट कहवैया नोहन।
केश जांघ कहरव हैं मोती।
कहौं बंचिहौ कोनो कोती।
कंवल बरोबर हाथ देखाथे।
छाती हंडुला सोन लजाथे।
बोड़री समुंद हवै पंडुकी गर।
कुंदरू ओठ दांत दरभी-धर।।





सूरज चंडा मुँह में आहे।
टेड़गा अऊ अओ कमठा है।।
तुरतुराय मछरी अस आंखी।
है हमारा संगी मन साखी।।

**अथवा**

बगरे झलक जाल हर होही नयन-कोर ला रोके।
स्नेह शून्य हो ही जेहर अब अंजन होके।।
मधु सेवन बिन होही जेहर भू विलास बिसराये।
ऐसे बाम नयन मृगनयनी के तैं हर सब जाये।।
फरक फरक उठ ही ऊपर अंग, शोभा माही कैसे।
मछली के डोला में डोलत नील कमल हो जैसे।।

(ख) फगनी ल बड़ खुशी लागिस। बहू ह अकले अपन सास ल नइ देखे रहय। दुनों झिल मिलके समान वांधिन छादिन। अधरतिहा दुनों झिन के नींद ह टुटगे। रजवा ल आपन गांव के नान-नान बने युग्धर कुरिया गांव के मयारूक मनखे, आसा के गदगद ले फरे हश्व अउ हरियर-हरियर लुगरा सांही खेत के बखान फगनी ले करत रहय। जब में ह तोला अउ नानुक ल लेके ओखड़ आधू जांहू, तब बक्क खा जाही। पगनी पन मनसे के गोद सुन के अपन सास के गढ़न ल मने-मन गढ़त रहय। बिहिनिया होइस एसन गांव बर रेंग दिन।

**अथवा**

कतको हुसियार लइका काबर नइ होये, पहली जाल ह ऊंखरो लटेपटे निभथें। बड़ चउज करथे। जुन्ना लइका मन, नवा लइका मन ल रोवा के छोड़ये। कोनो कहियें हमला सलाम करके जा। तब

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/



कोनो कहिंथे गीत गा के बता। कतको झन जुन्ना छोकेरी मन तो नया छोकेरी मन के मुंह मं काजर नहीं तो के वेद्द पोछ देथे। इसे सोलही के आंखी ले आंसू निकले के डडल हो जाथे। फेर धीरे-धीरे हुसियार छोकरी-छोकरा मन के जुत्था बने लगये। जेमन प्रथम दरजा म आए रहिथे तिखर ऊंहों मान बाढ़ जथे। उन फकत पढ़इच म हुसियार होय अइसे नहीं, ओभा के कतको झन, खेल-कुद, नाच-पेखन, गीत-गम्भत म घलो नांव कमाथे।

(ग) 'हे बजरंगबली, जइसे तैं लंका ल जरो के राम काज संवारे, ओइसन ये हमर गांधी बबा ह बिडेसी कपड़ा जरोवत हे। हमर आजादी के छिताभाई ल अंगरेज रूपी रावन ह हर के ले गेहे महाराज। किरिपा करहूं। आहू लिल्ला चौरा कोती। तंहुला भार भरोसा लगाय। तुंहरे परसादे हमु कछु कर लेवो। ये जुग के राम रावन जुद्ध चलत हे। अब हमु ल दव सहारा। हे बजरंगबली बड़े-बड़े भगत ल देव गदा के सहारा, हमला तो अपन लंगूर के हवा म तार दव। हम छोटकुन मनखे जादा का मांगन।'

**अथवा**

हत रे फुटहा करम, जब देखेंव तब विपते विपत, को पेरन अकेल्ला नई आवय, जब आवय तब, अपन दाई-ददा के संग। भाई का कहस कछु कहि नइ जाय, अउ केहे बिना रहि नइ जाय। मोर ददा गुहरी गौंटिया, गंवारपुर अउर गोहारडिह के नीचट जून्ना ढंग के मनखे आय। पढई-लिखई ला तो वो हर सनातन धरम के बोरूक समझते।

2. कपिल नाथ कश्यप के जीवन एवं कृतित्व पर विचार करते हुए उनके काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। **15**

**अथवा**



'कउवा, कबूतर और मनरवे' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. 'आवां' उपन्यास की कथावस्तु का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **15**

**अथवा**

एकांकी तत्वों के आधार पर 'सउत के डर' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए— **5×4=20**

(1) जीवन यदु का साहित्यिक योगदान।

(2) कोदूराम दलित का जीवन परिचय।

(3) छत्तीसगढ़ी कविता के विकास का मध्य युग।

(4) वर्तमान में प्रकाशित होने वाली छत्तीसगढ़ी पत्रिकाएं।

(5) नरहरि दास का जीवन परिचय।

(6) पंत गुरु घासीदास।

(7) इक्कीसवीं सदी में छत्तीसगढ़ी का विकास।

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **1×2=20**

(1) छत्तीसगढ़ी साहित्य के विकास का गाथा युग कब से कब तक का माना जाता है ? लिखिए।

(2) संत धर्मदास के गुरु का नाम लिखिए।

(3) हीरालाल काव्योपाध्याय द्वारा छत्तीसगढ़ी व्याकरण पर लिखित पुस्तक का नाम लिखिए।

(4) 'पउत के डर' एकांकी में कितने दृश्य हैं ? लिखिए।

(5) गुरु 'अंजोरा दास' किस रचना के पात्र हैं ? लिखिए।

(6) सन् 1881 में राजिथ में जन्मे छत्तीसगढ़ी के प्रसिद्ध रचनाकार का नाम लिखिए।

(7) 'राजीव प्रेम पियूष' काव्य के रचनाकार का नाम लिखिए।

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/



(8) छत्तीसगढ़ी में कुल कितने स्वरों का उपयोग किया जाता है ? लिखिए।

(9) कालिदास कृत 'मेघदूत' का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद करने वाले रचनाकार का नाम लिखिए।

(10) श्री हरि ठाकुर द्वारा रचित आपके पाठ्यक्रम में संकलित किसी एक कविता का शीर्षक लिखिए।

(11) 'कांवर भर धूप' रचना के रचनाकार का नाम लिखिए।

(12) डॉ० नरेन्द्र देव वर्मा के काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(13) 'ददरिया' की कोई एक विशेषता लिखिए।

(14) आपके पाठ्यक्रम में संकलित श्री शिव शंकर शुक्ल की रचना का नाम लिखिए।

(15) छत्तीसगढ़ी शब्द 'उटकहा' का हिन्दी अर्थ लिखिए।

(16) 'हम बेटा मुंइया के' काव्य संग्रह के रचनाकार का नाम लिखिए।

(17) छत्तीसगढ़ी के एक रूप 'लरिया' का प्रयोग मुख्यतः किन गाँवों-शहरों में किया जाता रहा है ? लिखिए।

(18) छत्तीसगढ़ी के किसी एक प्रसिद्ध मध्यकालीन 'वीरगाथा' का नाम लिखिए।

(19) 'दुनिया अठवारी बजार रे, उसल जाही' के कवि का नाम लिखिए।

(20) श्री लाला जगदलपुरी ने छत्तीसगढ़ी के अलावा किन भाषा-बोलियों में रचनाएं लिखी हैं ? लिखिए।

https://universitynews.in/